कुछ नया है करना

डॉ. वंदना गुप्ता

कुछ नया है करना

(कविता संग्रह)

डॉ. वन्दना गुप्ता

प्रकाशक

राष्ट्रीय हिंदीसेवी महासंघ

डी-1989 सुदामानगर, इंदौर (म.प्र.) 452-009

कृति	:	कुछ नया है करना (**कविता संग्रह**)
कवयित्री	:	**डॉ. वन्दना गुप्ता** शिवराम शिशु चिकित्सालय, मोतीनगर, सागर (म.प्र.) 470-002 फोन (07582) 229461 (हॉ.), 229361 (मो. 94256-56292, 98272-34704
संस्करण	:	प्रथम (2009)
सर्वाधिकार	:	रचनाकार डॉ. वन्दना गुप्ता
प्रकाशक	:	**राष्ट्रीय हिंदीसेवी महासंघ** डी- 1989 सुदामानगर, इंदौर (म.प्र.) 452-009 मो. 94250-54038, 96175-00958
मुद्रक	:	**राजा ऑफसेट प्रिंटर्स** 863/9, नेहरू नगर, इन्दौर-452003 (0731) 2537296, 2530313
साज-सज्जा	:	**नारोलिया ग्रॉफिक्स** 91/6, परदेशीपुरा, इन्दौर मो. 90095-67297
मूल्य	:	100.00 रुपए

सूची

1.	मुक्तक	35
2.	गंगे माँ	36
3.	माँ	37
4.	भारत माँ	39
5.	राष्ट्रप्रहरी	40
6.	राष्ट्रभाषा	41
7.	बापू	42
8.	एकता	44
9.	ज्ञान गंगे	45
10.	यह मेरा ज्ञान भवन है	46
11.	वन्दे मातरम्	47
12.	वह स्वप्न सुबह का	48
13.	राष्ट्र एकता	49
14.	होली	51
15.	दीप पर्व	52
16.	होली आई, होली आई	53
17.	फाग महिमा	54
18.	फागुन	55
19.	बसन्त	56
20.	शरदपूर्णिमा	57

21.	प्यार की शक्ति	58
22.	सावन	59
23.	हमसफर	60
24.	समर्पण	61
25.	जीवन साथी	62
26.	प्रियवर	63
27.	अभिलाषा	64
28.	बागबां	65
29.	पथिक	66
30.	माली	67
31.	बालिका शिक्षा	68
32.	शिक्षक दिवस	69
33.	कुछ नया है करना	70
34.	संकल्प	71
35.	स्वतंत्रता दिवस	72
36.	नेत्रदान	73
37.	आँखें	74
38.	कहाँ गए?	75
39.	चलो छत पर पेड़ लगाएं	76
40.	पर्यावरण	77
41.	रक्तदान	78
42.	मधुमेह	79

43.	भोर का स्वप्न	82
44.	अनाथाश्रम	82
45.	दुख	83
46.	मानव धर्म	84
47.	नशा	85
48.	सुयोग्य वर	86
49.	संगति	87
50.	ढलता सूरज	88
51.	एड्स	89
52.	संस्कार	90
53.	वर्तमान शिक्षा प्रणाली	91
54.	रक्षाबंधन	92
55.	नारी शक्ति	93
56.	स्तनपान	94
57.	कन्या भ्रूणहत्या	95
58.	मातृत्व	96
59.	अचला	97
60.	नारी	98
61.	जागो नारी, जागो	99
62.	अबला	100
63.	जन्मदिन	102
64.	मूलांक	103

65. वर्षगाँठ 104
66. सद्भावना 105
67. मातृआशीष 106
68. समय 107
69. इन्सानियत 108
70. सुख-दुख 108
71. नशा 109
72. बेदर्द जमाना 110
73. जुनून 112
74. लोपतंत्र 113
75. मृत्यु 114
76. आँधी 115
77. बाढ़ 116
78. अकाल मृत्यु 118
79. सीख 118
80. गुलाब 119
81. कलियुग 120
82. आत्मबोध 121
83. मीडिया 122
84. व्यक्तित्व 123
85. आखिर गलती किसकी? 124
86. उपेक्षा 126

मुक्तक

फूल कहे मुरझाना फिर भी, मुस्काओ जब तक जीवन,
खुशबू सबके हृदय समा दो, ऐसा तुम कुछ करो जतन।

होश में आओ वर्ना किधर जाओगे, इसी तरह से जियोगे तो मर जाओगे,
कैसे मंजिल मिलेगी ये सोचा कभी, दो कदम चलकर जो ठहर जाओगे।

जीवन के हर उस पथ पर, जो जीवन को महकाते हैं,
बहुत दूर तक चलने में, पग कंटक साथ निभाते हैं।

पग कंटक को साधो है जिसने सहा,
पथ पर आगे थके बिन है नित वो बढ़ा।
जाना सफलता के उसने ही हर राज को,
जिसका हर पग मंजिल को अविरल बढ़ा।

जीवन में चुनौतियाँ जीवन को महकाती हैं,
प्रगति की बेलों को चहुँ ओर बढ़ाती हैं।
हिम्मत मत हार गिरकर ओ मुसाफिर,
ठोकरें इंसान को चलना सिखाती हैं।

प्रभु स्वार्थयुक्त इन आँखों को,
निज राष्ट्र प्रेम जल से धो दो।
राष्ट्र प्रगति कल्याण भाव के,
साकार स्वप्न आँखों में दो।

पाषाण हृदय हो तो भी क्या,
उसमें हम भाव जगा देंगे।
सद्भावों की तानों से,
उसमें रसधार बहा देंगे।

शिवराम शिशु चिकित्सालय

स्थापना : 16 मई 1993 ❖ नवीन स्वरूप : 28 अगस्त 2004

■ प्रत्येक बुधवार सुबह निःशुल्क परामर्श (विगत 15 वर्षों से) ■ अत्याधुनिक नवजात शिशु इन्टेन्सिव केयर यूनिट (NICU) ■ शिशु इन्टेन्सिव केयर यूनिट (PICU) ■ स्वच्छ आधुनिक प्राईवेट वार्ड ■ स्वच्छता के मानक पैमानों से युक्त जनरल वार्ड ■ नवजात शिशुओं के पीलिया होने पर ब्लड एक्सचेंज, ट्रांसफ्यूजन की सुविधा एवं फोटोथेरेपी ■ पल्स आक्सीमीटर, आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर ■ नेबूलाइजेशन की सुविधा ■ आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा सुविधा ■ जोड़ों व कमर दर्द का विशेष इलाज ■ सशुल्क सभी प्रकार के टीकाकरण की सुविधा ■ चौबीसों घंटे बिजली एवं पानी की सुविधा ■ कार्डधारियों को चिकित्सा में रियायत ■ गरीब रोगियों को दवा वितरण।

विजय टाकीज रोड, माता मढ़िया के पास, मोतीनगर वार्ड, सागर (म.प्र.)

फोन : 07582 - (हॉ.) 229461, 241781, 240072, (नि.) 229361